Peace (Indian Languages)

Hindi (Rhythmic & Lyrical)

"शांति" ("Shanti")

मेरी आँखों से मैं शांति की धरती देखता हूँ,
जहाँ तक मेरी नज़र जाती है!
यदि तुम मेरी आँखों में देखो, जो मैंने देखा है,
तो तुम भी देखोगे यह शांति की धरती,
जहाँ तक तुम्हारी नज़र जाती है!

और जब दूसरे देखना चाहें, हमारी तरह,
हमारी आँखों में देखकर, जो हमने देखा है,
तो वे भी देखेंगे यह शांति की धरती,
जहाँ तक उनकी नज़र जाती है,
सीखेंगे वे "शांति" नामक शब्द का वह प्रभाव।

और उनकी आँखों से, हमारी शांति की धरती
फैलेगी दुनिया के हर कोने में;
जहाँ और लोग, जो इस शक्ति को जानेंगे,
देखेंगे यह शांति की धरती, जो हम देखते हैं।

ताकि एक दिन, सभी देखें हमारी शांति की धरती,
जहाँ तक उनकी नज़र जाती है!
और इस शुरुआत से, जो हमने देखा है,
तो, ईश्वर की सभी रचनाओं के लिए आशा लिए,
इस सुंदर ग्रह पृथ्वी पर,
हम जीएँगे और जानेंगे "शांति" नामक शब्द का वह प्रभाव!

Sanskrit (Sacred & Mantra-Like)

"शान्तिः" ("Shantih")

मम नेत्राभ्यां शान्तेः भूमिं पश्यामि,
यावत् दृश्यते!
यदि त्वं मम नेत्रेषु पश्यसि यत् अहं दृष्टवान्,
तर्हि त्वमपि एतां शान्तेः भूमिं पश्यसि,
यावत् तव नेत्रं गच्छति!

यदा अन्ये अपि इच्छन्ति द्रष्टुं, यथा त्वं च अहं च,
अस्माकं नेत्रेषु पश्यन्तः यत् वयम् दृष्टवन्तः,
तर्हि तेऽपि एतां शान्तेः भूमिं द्रक्ष्यन्ति,
यावत् तेषां दृष्टिः गच्छति,
"शान्तिः" इति शब्दस्य शक्तिं अवगमिष्यन्ति।

तेषां नेत्रेभ्यः, अस्माकं शान्तेः भूमिः
विस्तरिष्यति सर्वासु भूमिषु;
यत्र अन्ये, ये तदा एतां शक्तिं ज्ञास्यन्ति,
द्रक्ष्यन्ति एतां शान्तेः भूमिं, यां वयम् पश्यामः।

ततः कदाचित्, सर्वे द्रक्ष्यन्ति अस्माकं शान्तेः भूमिं,
यावत् तेषां दृष्टिः गच्छति!
अस्य आरम्भात्, यत् वयम् दृष्टवन्तः,
ततः, ईश्वरस्य सर्वासु सृष्टिषु आशां कुर्वाणाः,
अस्मिन् सुन्दरे ग्रहे "पृथिवी" इति नाम्नि,
वयं जीविष्यामः एवं ज्ञास्यामः "शान्तिः" इति शब्दस्य शक्तिम्!